आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

आचार बनाना

सनातन स्वंय सहायता समूह गोशाल
वी. एफ. डी. एस. गोशाल

एस.एच.जी. नाम	: :	सनातन
वी.एफ.डी.एस.नाम	: :	गोशाल
एफ.टी.यू./ रेंज	: :	पट्टन
डी.एम.यू. /मंडल	: :	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	: :	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना
(जाईका वितपोषित)

कार्यकारिणी सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ
1	परिचय	3
2	एसएचजी समूह की सूची	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5
4	गांव का भौगोलिक विवरण	6-7
5	कच्चे माल का चयन और बाजार क्षमता	8
6	अचार बनाने का बिजनेस प्लान	9
7	अचार बनाने का व्यवसाय अनुपालन	10
8	विभिन्न प्रकार के आचार	10
9	स्वोट अना लिसिस	11
10	अचार बनाने के उपकरण	12
1 1	अचार बनाने का कच्चा माल	13
12	उत्पादन की लागत	14-15
13	समूह के सदस्य तस्वीरें	16
14	समूह का सहमती पत्र	1 7

परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी70 लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव गोशाल, डा0 गोशाल तहसील केलोग , जिला लाहोल स्पीति, हिमाचल प्रदेशमें स्थित है। गांव गोशाल लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम पट्टन वैली है। लाहौल मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।यह जिला लाहौल स्पिति का दुर्गम जन जातीय क्षेत्र है

गांव गोशाल मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।
जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग बुनाई का कार्य भी कर रहे हैं, परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति गोशाल के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से गाँव में 02 स्वयं सहायता समूहोंका गठन, " सनातन स्वयं सहायता समूह "व " महादेव स्वयं सहायता समूह "के रूप में किया गया। इसके बाद" सनातन स्वयं सहायता समूह "ने आचार बनाने का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 10 सदस्य शामिल हुए।

आचार दुनिया भर में खाने की मेज के बहुत महत्वपूर्ण घटक हैं और एशिया प्रशांत क्षेत्र में प्राय उपयोग किए जाते हैं। आचार में विविधता की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग किया जाता है और स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल, स्वाद और लोगों की भोजन की आदत के आधार पर एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होता है।
अचार बनाने के व्यवसाय का सबसे आकर्षक पहलू यह है कि इसे समूह की वित्तीय क्षमता के अनुसार शुरू किया जा सकता है और बाद में किसी भी समय जब एसएचजी के वित्तीय विभाग में सुधार होता है तो व्यवसाय को किसी भी स्तर तक बढ़ाया जा सकता है। एक बार जब आपका उत्पाद और उसका स्वाद ग्राहकों द्वारा पसंद किया जाता है तो व्यवसाय काफी फलता-फूलता है। हालांकि, एसएचजी ने इस आईजीए (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से विचार किया है। इसलिए एसएचजी ने अपनी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार एक विस्तृत व्यवसाय योजना तैयार की है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी

सनातन स्वयं सहायता समूह की सूची-

क्र.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	सोनम डोलमा	प्रधान	52	स्त्री	4 th	अनुसूचित जन जाति	9459828227
2	शकुंतला	सचिव	50	स्त्री	9 th	अनुसूचित जन जाति	8219425336
3	प्रोमिला	सदस्य	46	स्त्री	10 th	अनुसूचित जन जाति	7807737442
4	मंजू	सदस्य	45	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति	8894935208
5	रुमा	सदस्य	50	स्त्री	10 th	अनुसूचित जन जाति	9418639738
6	रीता	सदस्य	39	स्त्री	+1	अनुसूचित जन जाति	8628823693
7	शांति	सदस्य	58	स्त्री	10 th	अनुसूचित जन जाति	8894527621
8	दावा डोलमा	सदस्य	42	स्त्री	10 th	अनुसूचित जन जाति	8091097793
9	देकी पलमो	सदस्य	60	स्त्री	1st	अनुसूचित जन जाति	9418697621
10	सावित्री	सदस्य	52	स्त्री	4 th	अनुसूचित जन जाति	8091196552
11	अंगमो	सदस्य	51	स्त्री	3rd	अनुसूचित जन जाति	8091146401
12	लता	सदस्य	44	स्त्री	9 th	अनुसूचित जन जाति	9459988750

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ

स्वयं सहायता समूह विवरण-

1	**समूह का नाम**	**सनातन स्वयं सहायता समूह**
2	ग्राम वन विकास समिति	गोशाल
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	पट्टन
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	गोशाल
6	विकासखंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल- स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	12
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	20007376524
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	के.सी.सी. बैंक केलोंग
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

<u>ग्राम की भौगोलिक स्थिति –</u>

1	**जिला मुख्यालय से दूरी**	**10 किलोमीटर (लगभग)**
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	केलोंग ,10 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 10 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू किलोमीटर 109, मनाली 70 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	उदयपुर, कुल्लू, भुंतर, मनाली
6	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी, बुनाई करते हैं।

(1) **व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?**

ग्राम वन विकास समिति गोशाल में महिलायों का पहले से गठित समूह है जिसमे समूह की सभी महिलाएं आचार बनाने का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |
समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |
उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना |
सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |
आजीविका की बढोतरी |

(3) **<u>सामुदायिक गतिशीलता :</u>**

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है|

(4) <u>समूह का निर्माण</u> :

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष ,सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है | समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है |

(5) बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है | विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर ,मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा |आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी |

(6) बाज़ार की जानकारी :

उदेयपुर,केलोंग,भुन्तर,कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी |

(7) अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वित्तीय प्रबंधन का व्यय पूंजीगत परियोजना बार श्रेणी % द्वारा सहायता दी जाएगी शेष , सदस्य % द्वारा वाहन किया जाए |
मानव : 12 सदस्य
तकनीकी तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना :द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगा |

(8) अनुमानित लाभ:

महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा |
समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा |
समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है |

कच्चे माल का चयन और बाजार की क्षमता -

एसएचजी के सदस्यों ने विस्तृत चर्चा और विचारशील प्रक्रिया के बाद इस बात पर सहमति व्यक्त की कि अचार बनाने का यह आईजीए उनके लिए उपयुक्त होगा। लोग खाने के साथ तरह-तरह के अचार खाते हैं और यह स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं। अचार का उपयोग भोजन के लिए टॉपिंग के रूप में भी किया जाता है जैसे सैंडविच, हैमबर्गर, हॉटडॉग, पराठे और पुलाव आदि।

आम और नींबू का अचार दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय किस्म है। यहां विशेष रूप से इस एसएचजी में हम मुख्य रूप से स्थानीय और आसानी से उपलब्ध कच्चे माल जैसे लहसुन, अदरक, गल-गल (पहाड़ी नींबू), लिंगड, आम, नींबू, मशरूम, हरी मिर्च आदि पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

कई छोटे और बड़े विक्रेताओं की उपस्थिति के कारण अचार बाजार अत्यधिक खंडित है और प्रतिस्पर्धा बाजार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए मूल्य, गुणवत्ता, नवाचार, प्रतिष्ठा, सेवा, वितरण और प्रचार जैसे कारकों के आधार पर है। अचार बनाना छोटे पैमाने पर और मुख्य रूप से गृहिणियों और अन्य महिला कर्मचारियों के लिए एक आदर्श व्यवसाय है। ऐसे में यह महसूस किया गया कि अचार के विक्रेता जब अपने अचार को कमांड एरिया में बेच सकते हैं तो यह एसएचजी इसे और अधिक तेजी से कर सकता है और ऐसे बाहरी लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

अचार बनाने का बिजनेस प्लान

किसी भी IGA (आय सृजन गतिविधि) को शुरू करने से पहले विस्तृत और संरचित चर्चा के साथ एक अनुकूलित व्यवसाय योजना तैयार करना बहुत आवश्यक है। व्यवसाय योजना निवेश, परिचालन गतिविधियों, विपणन और शुद्ध आय / प्रतिफल की स्पष्ट अवधारणा प्राप्त करने में मदद करती है। व्यवसाय को बढ़ाने की गुंजाइश भी स्पष्ट रूप से परिकल्पित है और इसके अलावा यह बैंकों से वित्त की व्यवस्था करने में मदद करता है। यह सलाह दी जाती है कि व्यवसाय पर लौटने से पहले बाजार का सर्वेक्षण किया जाए और प्लस पॉइंट यह है कि इस एसएचजी के समूह के सदस्य बाजार के अध्ययन से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मुख्य रूप से एसएचजी ने अपने क्षेत्र में विशिष्ट प्रकार के अचार की मांग का अध्ययन किया और मुख्य रूप से स्थानीय बाजार को लक्ष्य के रूप में रखा गया था।

अधिकांश कच्चा माल स्थानीय रूप से उपलब्ध है और लिंगड फ़र्न प्रजाति स्वाभाविक रूप से आस-पास के नम क्षेत्रों और नाले में निःशुल्क उगा रहा है । इस समूह के आसपास की छोटी बस्ती के लोगों को इस लिंगड अचार के प्रति स्वाभाविक पसंद है जो अन्यथा खुले बाजारों में उपलब्ध नहीं है।

अचार बनाने की प्रक्रिया का फ्लो चार्ट

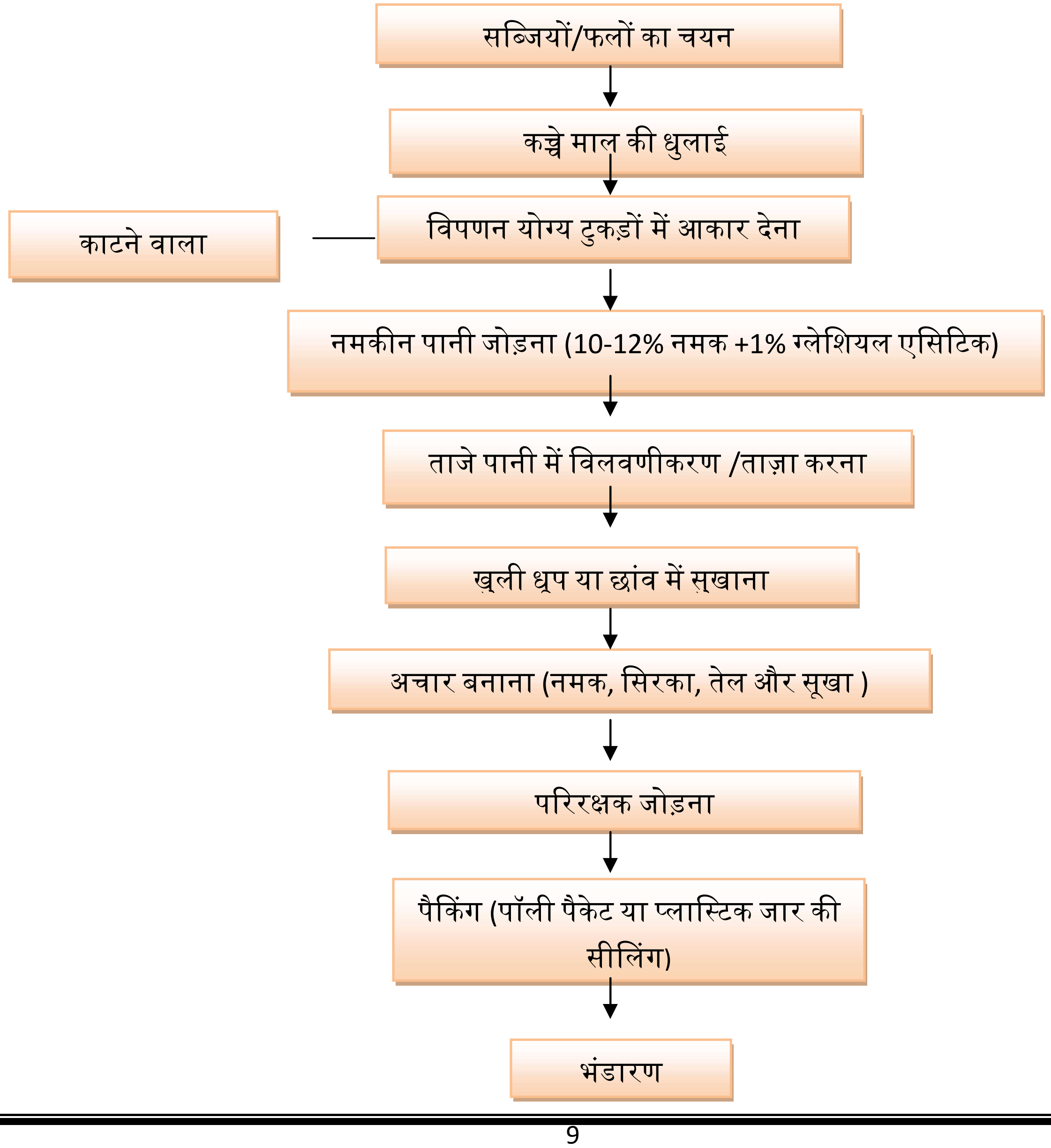

अचार बनाने का व्यवसाय अनुपालन

अचार एक खाद्य पदार्थ है इसलिए राज्य सरकार के विभिन्न नियमों का पालन करने की आवश्यकता है। चूंकि आईजीए शुरू में छोटे पैमाने पर किया जा रहा है इसलिए इन कानूनी मुद्दों को स्थानीय अधिकारियों से खाद्य प्रबंधन लाइसेंस प्राप्त करके एसएचजी सदस्यों द्वारा स्थानीय रूप से संबोधित किया जाएगा। व्यवसाय घर से संचालित किया जा रहा है इसलिए स्व-नियोजित समूहों के लिए कर नियमों का नियमानुसार ध्यान रखा जाएगा।

आचार के विभिन्न प्रकार

जैसा कि पहले के अध्याय में चर्चा की गई है, अचार बनाने के लिए ज्यादातर स्थानीय और आसानी से उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग किया जाएगा। अचार कई स्वाद के होते हैं, जबकि एसएचजी मुख्य रूप से उस क्षेत्र और बाजार में पारंपरिक और अधिक उपयोग किए जाने वाले अचार पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसके लिए यह एसएचजी पूरा करने का इरादा रखता है। एक बार जब एसएचजी का व्यवसाय शुरू हो जाता है तो मांग से प्रेरित गुणवत्ता वाला अचार तैयार किया जाएगा और ग्राहकों के स्वाद के अनुसार अनुकूलित किया जाएगा।

आम, मशरूम, लहसुन, अदरक, लिंगड , गोभी, मूली , गाजर और निम्बू आदि कुछ सबसे लोकप्रिय और आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले अचार हैं। कभी-कभी मिश्रित अचार जैसे लहसुन - अरबी (घिंदयाली) आम - हरी मिर्च, मिक्स वेज आदि भी लक्षित ग्राहकों के स्वाद और मांग के अनुसार तैयार किए जाएंगे।

स्वोट अनालिसिस

❖ ताकत-

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है।
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध।
- निर्माण प्रक्रिया सरल है।
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है।
- घर का बना, कम लागत।

❖ कमजोरी-

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा।

❖ मौका-

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- उच्च मांग दुकानें- फास्ट फूड स्टॉल- रिटेलर्स- थोक- जलपान गृह- रेस्टोरेंट- रसोइये और रसोइया- गृहिणियों
- बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग।

❖ खतरे/जोखिम-

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी।
- प्रतिस्पर्धी बाजार।

अचार बनाने के उपकरण

उपकरण या मशीनरी की आवश्यकता मूल रूप से हमारे संचालन के तरीके और योजना के आकार पर निर्भर करती है। इस मामले में एसएचजी शुरू में छोटे और प्रबंधनीय पैमाने पर शुरू होगा। इसलिए, रसोई में उपयोग किए जाने वाले उपकरण और सहायक उपकरण मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं इसके अलावा योजना को व्यवहार्य बनाने के लिए कुछ मशीनरी को खरीदना होगा और इसलिए कुछ बुनियादी उपकरण भी खरीद के लिए शामिल किए जाएंगे जो एसएचजी की मदद करेंगे। अपनी गतिविधियों को बड़े स्तर पर करने के लिए। योजना शुरू करने के लिए शुरू में निम्नलिखित उपकरणों की खरीद की जाएगी:

A. पूंजी लागत		
अनु क्रमांक	**उपकरण**	**लगभग लागत**
1.	ग्राइंडर मशीन	5000
2.	सब्जी निर्जलीकरण	20000
4.	तौल पैमाना (1 नं.)	3500
5.	पैकेजिंग इकाई	10000
6.	आचार डालने क लिए डब्बा 5	2500
	कुल	**41000**

अचार बनाने का कच्चा माल

कच्चे माल का विवरण विभिन्न फलों, सब्जियों और मांसाहारी की आवश्यक उपलब्धता पर निर्भर करेगा। हालांकि, मुख्य कच्चा माल आम, अदरक, लहसुन, मिर्च, लिंगड, मछली, मटन, मशरूम, गलगल, नींबू, नाशपाती, खुबानी आदि रहेगा। इन विभिन्न मसालों के अलावा, नमक, खाना पकाने का तेल, सिरका आदि खरीद लिया जाएगा। इसके अलावा पैकेजिंग सामग्री जैसे प्लास्टिक के डिब्बे, पाउच, लेबल और कार्टन की खरीद की जाएगी। बाजार की मांग के अनुसार पैकेजिंग 500 ग्राम, 1 किलो और 2 किलो बर्तन /पाउच में की जाएगी।

इसके अलावा एसएचजी एक विशाल कमरा किराए पर लेगा जिसका उपयोग परिचालन गतिविधियों, अस्थायी भंडारण और गांव में होने वाले कमांड क्षेत्र के लिए किया जाएगा। प्रति माह किराया 1000 रुपये प्रति माह माना जाता है। बिजली और पानी के शुल्क 500 रुपये प्रति माह का अनुमान लगाया गया है। । फलों और सब्जियों की कीमत औसतन 50 रुपये प्रति किलो आंकी गई है। और हमारे पास उपलब्ध जनशक्ति को ध्यान में रखते हुए एक सप्ताह में कम से कम 50 किलो आचार का उत्पादन किया जाएगा और यह एक महीने में 800 किलो होगा। तदनुसार, 800 किग्रा आचार के लिए आवर्ती लागत की गणना निम्नानुसार की जाती है:

B. आवर्ती लागत					
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	इकाई लागत	कुल रकम
1.	कमरे का किराया	प्रति महीने	1	1000	1000
2.	पानी और बिजली शुल्क	प्रति महीने	1	500	500
3.	कच्चा माल	किलोग्राम	800	50	40000
4.	मसाले आदि	किलोग्राम	100	200	20000
5.	सरसों का तेल	किलोग्राम	80	200	16000
6.	पैकेजिंग सामग्री	किलोग्राम	10	200	2000
7.	यातायात भुगतान	महीना	एल/एस	4000	4000
8.	क्लिनिकल ग्लव्स, हेड कवर और एप्रन आदि।	महीना	एल/एस	4000	4000
कुल आवर्ती लागत					**87500**

उत्पादन की लागत (मासिक)

अनु क्रमांक	विवरण	राशि
1.	कुल आवर्ती लागत	87500
2.	पूंजीगत लागत पर मासिक 10% मूल्यह्रास (41000)	342
	कुल	**87842**

अचार की बिक्री से मासिक औसत आय

अनु क्रमांक	विवरण	मात्रा	लागत	राशि
1.	अचार की बिक्री	**500 किलो**	**200/किग्रा**	**100000**

1. लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

अनु क्रमांक	विवरण	राशि
1.	कुल आवर्ती लागत	87842
2.	कुल बिक्री राशि	100000
3.	शुद्ध लाभ	12500

2. एसएचजी में निधि प्रवाह व्यवस्था

अनु क्रमांक	विवरण	कुल रकम	परियोजना योगदान 75%	एसएचजी योगदान 25%
1.	कुल पूंजी लागत	41000	30750	10250
कुल		**41000**	**30750**	**10250**

3. प्रशिक्षण क्षमता निर्माण कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन की लागत पूरी तरह से परियोजना द्वारा की जाएगी। ये कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर इस घटक के तहत ध्यान दिए जाने का प्रस्ताव है:

i) कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद

ii) गुणवत्ता नियंत्रण

iii) पैकेजिंग और विपणन प्रथाएं

iv) वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

4. आय के अन्य स्रोत

एसएचजी द्वारा आय के अन्य स्रोतों का भी पता लगाया जा सकता है जैसे ग्रामीणों और आसपास के स्थानीय लोगों के आम, आंवला, दालें, गेहूं, मक्का आदि को पीसना। यह आईजीए में अतिरिक्त होगा और बाद में इसे बढ़ाया जा सकता है।

5.निगरानी विधि

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

स्वंय सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ

रुमा	रीता	शांति	मंजू
शकुंतला	सावित्री	सोनम डोलमा	देकी पालमो
अंगमो	लता	प्रोमिला	दावा डोलमा

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक .....15-12-2022.......... को स्वयंसहायता समूह

"सनातन" की बैठक प्रधान " **श्रीमती** सोनम डोलमा "की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि समूह कीआय को बढ़ाने के लिए **"अचार बनाना"** **(Pickle Making)** का कार्य और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है|

सोनम डोलमा
प्रधान

सनातन स्वयम सहायता समूह
गोशाल

शकुंतला
सचिव

सनातन स्वयम सहायता समूह
गोशाल

1. प्रोमिला
2. Manju
3. रमा
4. रीता
5. शांति
6. दवा डोलमा
7. देकी पालमो
8. सावित्री
9. आंगमो
10. लता

President
VFDS Goshal
Distt. L&S (H.P)

Fence Forest ...
Pattan

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong